VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00366934

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Sai Chaitanya

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25/8/2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Hyderabad

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

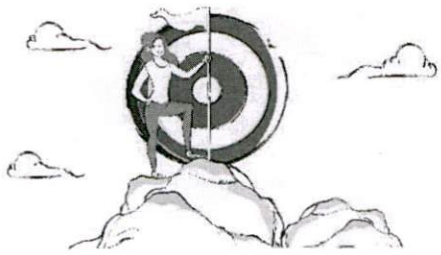

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

There are two approaches towards understanding ends & means. Teleological school speaks Ends over means while Deontological school speaks Means over Ends.

Ends cannot justify means

① Means employed determine nature of ends

(eg) → Non violent freedom mvt by Gandhi

② Right means leads to right ends - Deterministic means → As said by Emmanuel Kant

③ Means as a path to determine the end objectives

(eg) → AFSPA as wrong means for right National Security

④ Examples like Jews persecution to treat human as mere experimented value for ends of racial superiority

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) Corruption as mechanism → for ends to get things done but with wrong means

Measures required

(1) Gandhian philosophy → Talismanic approach for right means

(2) Listen to Conscience → Inner voice for right means & efforts

(3) Following Constitution → Guide for right means & right ends

(4) Religious philosophies - like Buddhism & Jainism.

Thus **Ends & means** are esp on its itself for larger societal benefit

VisionIAS

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Laws are formal rules & regulations imposed by a centralised authority. While Ethics are morals bestowed upon by society to individual.

Relationship b/w law & ethics → Dynamic

(1) Law based on ethics

a) Constitutional morality values - Justice, liberty, Equality, fraternity

b) Transgender protection Act - Human Dignity aspect

c) Maintanence of Elderly people Act - Compassion, empathy

d) CSR → Trusteeship, moral capitalism

(2) Law without ethics

a) Justification of AFSPA in northeast region

VisionIAS

b) Apartheid regime in South Africa

c) Jews persecution in Germany

d) Banning of Homosexuality - Alan Turing case

Relation continously shaped by society changes

① Ancient ~~India~~ times → Ethics was based on Vedas, Manusmriti, Brahmanism

Laws → Sati marriage, caste system, Widow prohibition

② Medieval times → Where ~~ethics~~ based on muslim law, Feudalism

Law → Sharia Law, Jaziya tax, Zamindari act

③ Modern times → Ethics based on constitution, role models like Gandhi

Law → Constitution, Human dignity (UHDR)

Therefore both have complex relation one impacting on others. At the end both justifies a right means & right end for larger benefit

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS
www.visionias.in

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Probity refers to adherence to highest moral standard. Integrity on other hand refers to being honest to not only others but also to self.

Probity	Integrity
(1) Larger umbrella term where Integrity is one of the component	(1) Integrity is essential trait for probity in governance
(2) External stimuli	(2) Internal reform
(3) Output oriented	(3) Outcome oriented
(4) Focus on ends	(4) Focus on means
(5) Result led	(5) Process led
(6) Focus on efficiency	(6) Focus on effectiveness

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Contribution of these values

① Ethical governance → Ensure transparent governance (eg) RTI

→ Enable Accountable from higher people authority (eg) Panchayat Raj

→ Promote positive work culture

(eg) → ISRO work culture

② Decision Making → In consent with our Conscience

→ Maintain ethical standard in decision making

→ Decisions based on welfare of all (Altruism)

Therefore **Integrity & probity** are two sides of same coin. One influencing others to get a positive result

VisionIAS

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Withholding information is one of the cardinal sins mentioned in 2nd ARC. It leads to various consequences both legally and ethically.

Ethical Implication

① Poor Decision making ability based on partial information

② Lead to Collusive / Coercive corruption in the governance (eg) ⇒ 2G scam - Withholding information

③ leads to violation of Constitutional values
(eg) Compromise liberty, Dignity

④ It is in line with wrong means for profit ends

⑤ Slippery Slope Condition - All other people withhold in hierarchy

VisionIAS

Transparency enhancing Accountability & reducing corruption

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) Accountability → Set the openness of information

(eg) Citizen charter of Ahmedabad Municipal Corp

→ lead to Checks & balances at every process eg - Social audit by Chattisgarh in PDS

(2) Reducing Corruption

↳ No back door / under table decision

→ Process led reforms

→ Employers are responsible to the decision making

Thus the ~~above~~ transparent trait sets the organisation a positive workculture behaviour & mark a precedent of building reputation & trust

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above quote of Gandhi speaks on importance of home & parent. As they are first agent of Socialization, role played by them marks a indelible imprint in life long behaviour

Importance of Home (school) and Parent (Teacher)

(1) Teaches the ethical & moral value to Child (eg) → Gandhi mother during his childhood recited Ramayana

(2) Prepare child for next stage of life

(eg) → Courage as a value learnt by Shivaji from Jijabai

(3) Ensure a positive character building

(eg) → Vivekananda learnt positive attitude from the home he brought

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) Enable to nurture a child in a way that changes its nature

eg → Abdul Kalam during his childhood was never been to discrimination despite muslim born in Rameshwaram

Recent / Contemporary Relevance

(1) Changing agent of socialisation - to technology

eg = IPAD babies, Digi babies

(2) Divorce rates, single parent, Nuclear family affecting the socialisation & character development of child

(3) ~~Lack~~ Rise of Creche Services - dividing love from mother & father

Therefore for a nation to be prosperous father, mother & teacher has a huge role is said by **Abdul Kalam**.

VisionIAS

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above quote of Leo tolstoy argues on "Changing ourselves to change the world". It Stresses on "being ourselves as agent of Change". A Small change from us can bring a small change to others.

Why every one think of change the world

① As a part of world they want to reform based on their upbringing

② Educational values — helps them to question the status quo of world (Rationality)
eg Raja Ram mohan Roy - Sati

③ Due to rising antithetical elements, they want to reform the society
eg - Protest in Old rajnder Nagar

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Why no one thinks of changing himself

1. Difficult to go through process
2. Thinks ~~that~~ they are perfect (Illusion of knowledge)
3. Thinks that probleme lies in outer world than themselves {frog in a well mindset}

How to change that thinking

1. Following Constitutional moral values
2. Speak with elders, Role models
3. Practice mindfulness, thought provoking questions
4. Practice empathy & Compassion

As Gandhi said, "Be the change you want to see in the world". Thus the change should be brought within & let flame burns outside

www.visionias.in
VisionIAS

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above quote of Confucius speaks on lack of Courage value. Courage is the cardinal value between extreme of Fear and Rashness. It is not absence of fear but persuing thing with fear and achieving it.

Why despite seeing not able to act

1. Lack of Courage, fortitude to act against any unethical act
2. Egoistic attitude – Act until it affects myself can be reason
3. Lack of value of Compassion, Altruism etc leads to Inaction
4. Poor mental fortitude & being in ivory tower mindset leads to Inaction

VisionIAS

How to build Courage

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① Learn from the history, Role models

(eg) Abhimanyu entry in to Padmavyuh despite no awareness on return

② Start slowly & builds the pace - As gandhi says Starting is half done

(eg) → Jeff Bezos started Amazon in Car shed

③ Practice the values like Empathy, Compassion whenever required

(eg) - Due to Compassionate behaviour, helped a blind to cross roads - Courage

④ Have Self respect & listening to Conscience

In the present world on global poly crisis, Courage as virtue is important. Benjamin Franklin says it is mother of all virtues.

VisionIAS

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Attitude refers to predesposition of person towards a object. It can be positive or negative. And it reflects person 's behavioural component

eg → Attitude of myself on watching the RRR movie – patriotism (positive)

Factors leading to positive attitude

1. Nurture / socialisation → where a positive mode of upbringing transform a child in developing the attitude

eg → Vivekananda, Gandhi, Ambedkar

2. Observation skills → "Our world depends on what we focus" – therefore a good & positive observation skills entails positive attitude eg → Praggnanda watching chess game from father

VisionIAS

③ Teacher / School → Values that taught in school

eg → Civic Sense of Japanese from school

④ Listening to Conscience

⑤ Laws, rules governing Society

⑥ International policy like LiFE, United Human rights declaration

⑦ History – Ramayana, Mahabharata

Positive attitude enhancing performance

- Innovative + creative work
  - eg – Saurabh Kumar IAS lunch with Collector in Dantewada
- Promote to look beyond roles → Civil Service Activism
  - eg – Divya Devarajan IAS work towards tribals
- Compassion, empathy, positive work culture
  - eg → Armstrong Pame IAS building 100 km road
- Proactive Disclosure of Information
  - eg → Sugayam IAS – disclosing the assets on district website

As **Winston Churchill** says, Attitude is window that opens the world. This positive attitude opens our mind horizon

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As per David Goleman, Emotional Intelligence refers to understanding own emotions & others in taking a enabling decision.

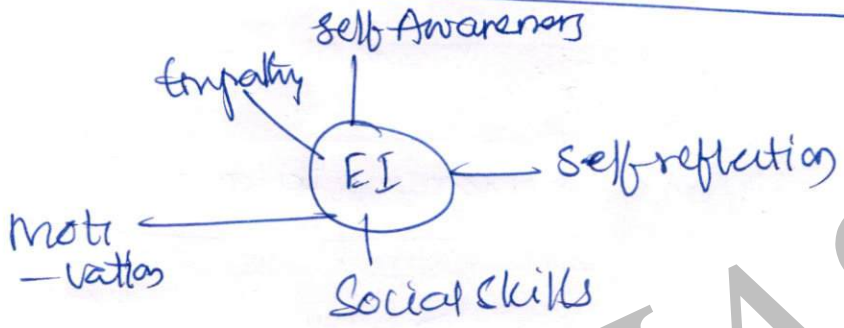

fig: Components of EI

EI Influencing ethical decision making in allocation of scarce resource

① Identifying the real beneficiaries and allocating it
(eg) → DBT | UPI by Nandan Nilekani

② Allocating based on merit, reputation, past success
(eg) → lateral entry services

③ sustainable allocation without compromising

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

intra & inter generational equity

(eg) → Durga Shakti Nagpal – IAS made her to catch sand mafia & allocate resources sustainably

(4) Identify the miscreants and allocate the resources to the intended one

(eg) → Corruption scandal solved by Vineet Narain

(5) Ensure the values of motivation, empathy, Self awareness, self reflection, social skills & in distributive justice based on Constitutional principles

Therefore as David Caruso said EI is not triumph of mind over heart or heart over mind but happy synthesis of both

VisionIAS

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the era of Globalisation, International Aid is one form of diplomatic policy of nation. India is both beneficiary/receiver or Donor of Emergency Aid.

International organisation providing emergency aid are —

a) World Bank b) IMF c) WEF
d) UN Human right Council e) World food agency
f) NGOs etc

Ethical challenges faced by such organisation

1. Dependency of aid by receiver as seen in African countries
2. Diversion of aid towards unethical activity (eg → Pakistan - US Aid)
3. Aid for only publicity stunt without real cause

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) Lack of Independent foreign policy of nation — west dominated ~~Aid~~ influence countries sovereignty

(5) Lack of representation from all countries in such organisation

(6) NGOs → acting as shell agencies for money laundering

(7) No Universal principles followed — "Conditional aid", "Tied aid", Coercive aid

(8) Soft power Advantage

Principles that can guide

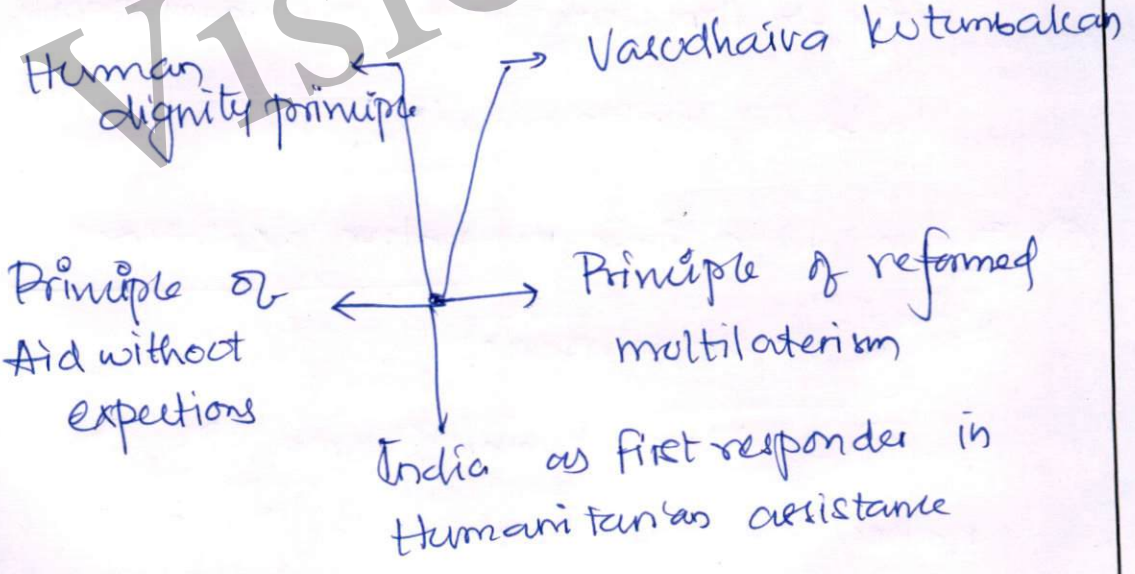

Therefore we need to follow the teachings of Raja Harischandra, Suryaputra Karna in donor/aid.

VisionIAS

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion refers to means of social influence. It maintains the agent to get changed softly without coercion.

eg → Persuading my brother to take COVID vaccine

Why it is important skill for civil ~~servant~~

(1) Enables to take faster & Quicker Action without any 2nd doubt

eg → Armstrong Pame IAS persuaded people to build 100 km road

(2) Ensure to achieve innovative solutions through creative means

eg → Manoj kumar Sharma IPS singing national anthem to persuade the people during strike

(3) Entail that positive work culture be

VisionIAS

followed in organization

(eg) → IPS Tarun Joshi of Adilabad — persuaded local personnels to act diligently

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) Enable to drive motivation & inspiration in achieving ~~oth~~ objectives

(eg) → Persuasion by various civil services in success of Swach Bharat Mission

Key consideration that guide persuasion

- **Actor Oriented** (IAS, IPS or other civil servants should have strong social skills)
- **Courage** to take action & persuade even wrongdoers
- **Communication without hesitancy** (to value the openness, transparency)
- Empathy, **Compassion** where civil servants persuade to remove their problems/suffering

Thus persuasion acts as the important virtue in modern 21st century civil servant

VisionIAS

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Corruption as per Transparency International refers to, "Abuse of power by individual for illegal gratification"

Role of ethical leadership in curbing corruption

→ Motivates other to follow their values
eg → IPS Tarun Joshi motivating others personnel

→ Takes action at right time
eg → Durga Shakti Nagpal in Sand Scam

→ Courageous Steps even in times of adversity eg → Satyendra Dubey whistle blowing

→ Builds tolerance, compassion
eg Diva Devaraj IAS towards

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

How to create ethical leadership

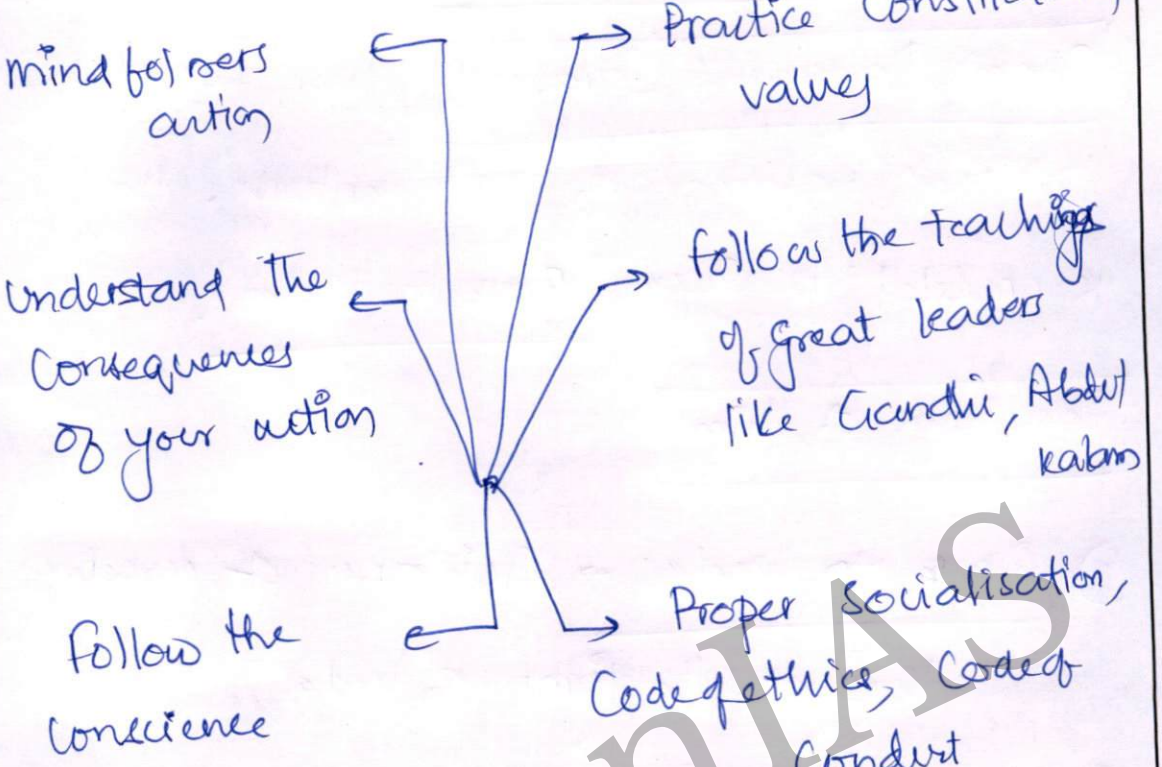

A good leader is not only leads at front but also pushes from back.

Thus ethical leadership is need of hour.

India as voice of global South is a ethical leadership among world countries

VisionIAS

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati is a social & political reformer of 19th century. He is credited to saying 'Back to Vedas'.

Teachings of him

(1) Back to Vedas → Guidance of ourselves through the light of Vedas

(2) Education - Dayanand Anglo vedic college setup - to blend the modern & traditional ways of teaching

(3) Human Dignity - Rejected all those values that derogatory to human dignity

(4) ~~Brama~~ Simplicity - in mind, behaviour, logic, character

(5) Compassion - in relieving the suffering of individual irrespective of background

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Relevance In addressing Challenges

Ethical Challenges → Aspect such as proper Means & Ends are followed in every walk of life

- → Constitutional Morality is uphold
- → Any decision based on Human dignity is upheld

Social Challenges → Tolerance in the time Communal Crisis

- → Education with Vocational & modern one (NEP 2020)
- → Reject anti thetical elements like rape, cyberfrauds etc

Thus his teachig resonates In inspiring the world for time immemorial

VisionIAS

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

VisionIAS

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above case study speaks on issue of Sexual harassment at work place.

Preamble of Constitution states Human Dignity of Individual a major value. Thus it is to be protected irrespective of ~~Cos~~ any cost.

a) Ethical Dilemmas

1) Company values v/s Personal values
2) Short term benefit v/s long term benefits
3) Conscience of karan v/s Rules of Organisation
4) Helping a Coworker v/s His personal profit/promotion

b) Options available to karan & its evaluation

1) Report the Incident to the higher authority / filing the POSH complaint against senior team member

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

merits	Demerits
→ Penalise / Convict the people / miscreants → Relief to Mariyam	→ Jeopardise her & his career

2) Dont file complaint and leave it

merits	Demerits
→ Promotion to karan in company expansion	→ Against his Conscience (Knower Doer split) → Violates Deontological principle → Suffering to Mariyam

3) Talk to higher authority & then decide to file

merits	Demerits
1) Due process is followed 2) Leads to action being taken	1) No Demerits

VisionIAS

Karan would choose "3rd option as it makes to set up Internal Complaint Committee". ~~been setup~~

→ It makes to listen the grievances of Mariyam ~~and~~ and act based on the message / harassment

→ And if it is not been satisfactorily, then file complaint by calling cops as women protection is prime importance

c) Responsibilities organisation have

1) Preventing & Addressing sexual harassment
- Safe & Secure environment
- Women at leadership position
- Internal Complaint Committee

2) Creating Inclusive workplace
- Creche facility
- Gender toilets
- Women in board directors (Jyoti Srinivas Committee)

uम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

As Ambedkar says, "I measure the progress of Society by how women had made progress." Thus Karan needs to take courage in filing the complaint against those people

VisionIAS

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

VisionIAS

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above case deals with issue of 'political patronage' by minister in appointing the relevant teachers in the post afore-mentioned

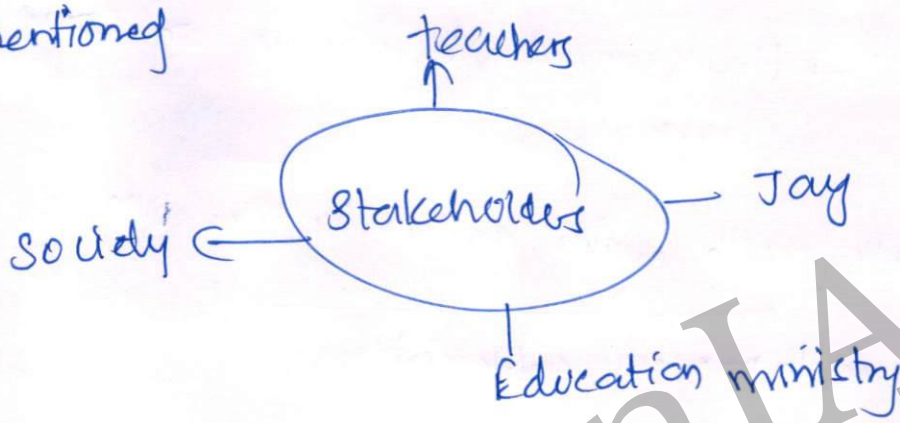

1) Jay options available

a) To recruit those people suggested by education ministry

Merits
- Promotion in new department
- Benefits personally to Jay

Demerits
- Jeopardise the merit
- Against conscience
- Leads to violating Deontological ethics

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) To not recruit those peoples & conduct a reexamination

Merits → following Conscience
→ free & fair process
→ Larger Society Benefit

Demerits → No project given to Jay
→ Harassment to family on corruption charge

3) Talk with higher authority like PM to deal with process efficiently

Merits → Due process followed
→ No issue of violation of code of ethics
→ Constitutional morality

Demerits → No Demerits

b) **Options Jay can adopt**

3rd option is better one as

1) It ensures the accountability to the Education ministry

2) Set responsible checks & balances

VisionIAS

in the process

3) Enables to take decision based on the Civil Service ~~code~~ Conduct rules

4) Can lead to taking a reformatory steps ~~at~~ in recruitment policy

5) Ensure a holistic competency in system

6) Promote a positive work culture in Jay's office

c) How to protect officers like Jay

1) Legal protection → A311 to have immunity
↳ Civil Service Conduct rules protects from legal issues

2) Having a better persuasive skills to change the attitude of miscreants

3) Whistle blower protection Act - promotes whistle blowing & protects them

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) Prevention of Corruption Act also protects the civil servants

5) RTI, CVC, CBI etc can be approached for fair investigation & protected

As Malala say, 'a small voice can break the noise of terrorist'. Thus let Jay become that voice as, future of nation lies in classroom (teachers)

VisionIAS

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above case is a classical dilemma on ethi Environment v/s Development. As stated in the Constitution under Article 48A, it is responsibility of State to protect wildlife, vegetation & forest."

a) Ethical Dilemmas

1) Environmentalism v/s Developmentalism
2) Anthropocentric v/s Biocentric
3) Short term gains v/s long term loss
4) Reduced pollution (vehicular emission) v/s Loss of trees

Both have advantage to its own case

5) Conscience v/s Pressure from higher authority
6) Integrity v/s Corruption

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) Options Available

1) Allowing project

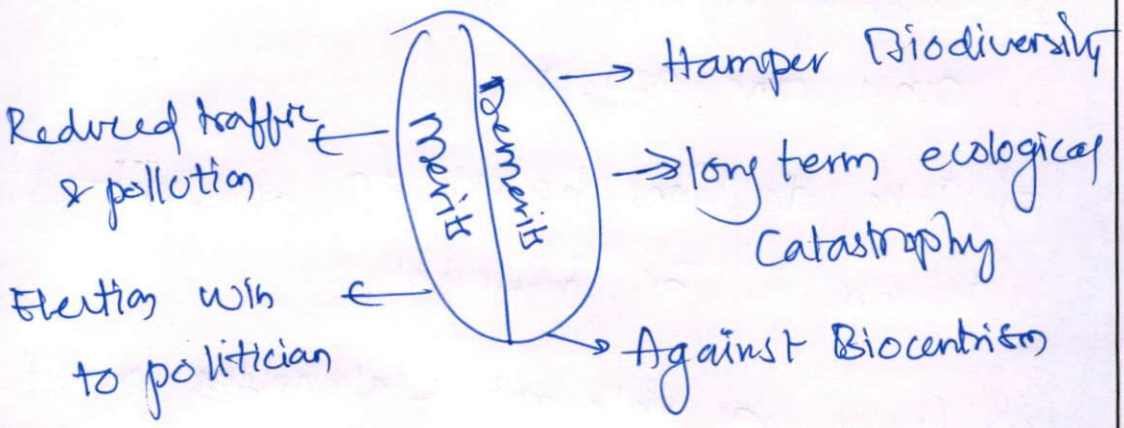

2) Not allowing project

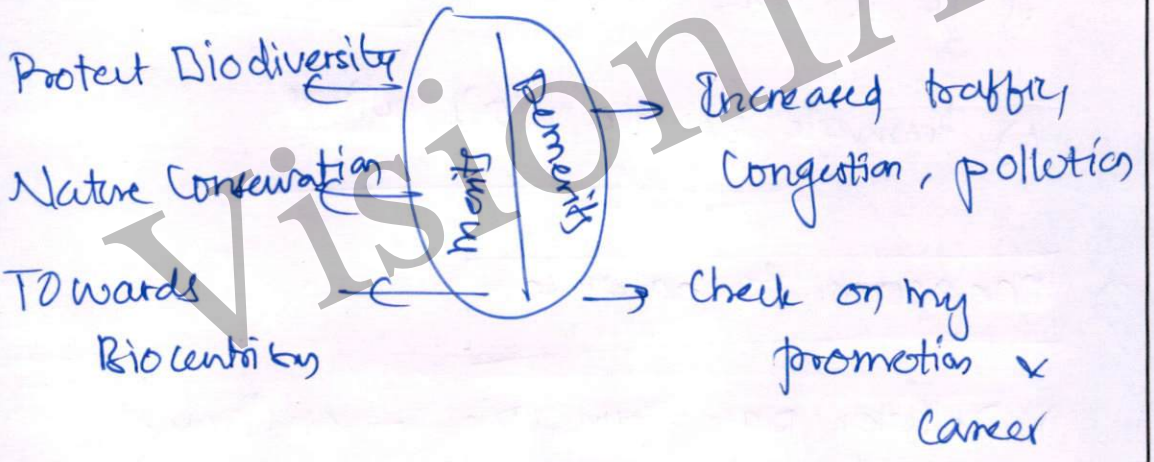

3) Due process followed by EIA and local people involved

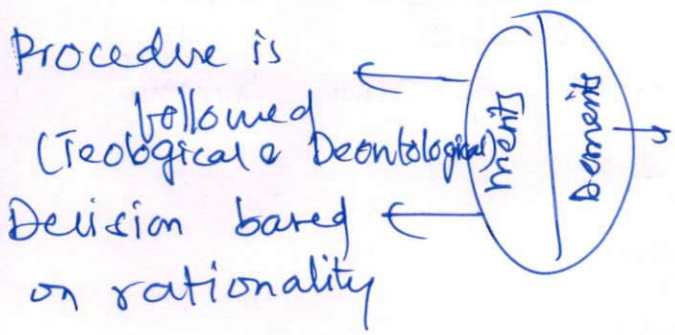

VisionIAS

I would choose the 3rd option as

1) It does not hurry in decision making

2) Balanced approach without harming any one aspect

3) Take decisions based on relevant process to be followed

4) Ensure a relevant stakeholder participate like Environment & conservationist

5) It is line with my conscience

6) Promote positive work culture

c) Measures to balance

1) Polluter pay principle – enshrined in MC mehta guidelines

2) Precautionary principle where consequences of any project is evaluated

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) Environmental impact Assesment where due process & steps is followed

4) Local Community & other stakeholders are duly taken into consideration

5) ~~Promote the~~ Biocentric principle against Anthropocentric

6) Technology like green tech need to be integrated.

Therefore as MoEFCC logo says, Prakruti Rakshiti Rakshitah (Nature protects us ~~conserved~~ when protected). Hence, a positive action by me is need of hour

VisionIAS

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

The above case deals with aspect of drug being released by the company without any safety consideration. As per Article 46 of constitution, States has responsibility to serve the health of citizens.

A) Stakeholders

1) Dr Mehra - Scientist & in pressure to release drug by company

2) Company - Wanted eagerly to release the drug in market

3) Govt - wanted citizen safety as priority
   - with due satisfactory result

4) People - Drug with life saving one is need of hour

B) Ethical Issues faced by Dr Mehra

1) Long term side effects of drug in small percentage

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2) Pressure from company to release the drug to Dr Mehra

3) Safety rules by govt in efficacy of drug

4) Increasing cost & delay of drugs in considering rules

5) Haphazard release of drugs by company

6) Dr Mehra reputation as senior drug developer

7) Quality of drug - getting compromised

c) **Options available**

1) Release the drug

Merits
- → Dr Mehra reputation
- → Company profit

Demerits
- → Health of people
- → Violating safety & satisfactory result

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2) Dont release the drug

Merits

- Health of people doesnot Compromise
- Following the Conscience of Dr Mehra
- Bigger Benefit of Society

Demerits

- Dr Mehra job in company at Stake
- Company in loss
- Efforts in drug making lost

3) Delay in drug with proper Satisfactory result

Merits

- Promotes teleological & Deontological virtue
- Due process followed
- Constitutional morality

Demerits

- No Demerits except some delay

I would advice to follow 3rd one as it ——

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

1) ensure time for drug development

2) Promotes the development of efficacy drug

3) Promote knowledge sharing and risk sharing mechanism with other

4) Ensure the larger benefit of Society

5) Promote reputation & Brand value of Company

Therefore "Healthy Citizens are greatest asset to nation" - following procedural safeguard is sine qua non for larger impact on society

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

VisionIAS

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

VisionIAS

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

The above case deals with classic case of hierarchial clashes of in Bureaucracy.

As my efforts are watered down by taking credit by senior is itself demoralising.

a) Ethical issues

1) Lack of enthusiasm in ideas, efforts towards project
2) Indifferent attitude by employees & senior
3) Delay & long gestation period of project

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) Efforts by me in vain

5) Unethical act by my senior in claiming as his effort

6) Compromising & questioning dedication of work

7) Poor work culture in system

b) Above work culture affecting workplace morale & productivity

1) Morale of workplace

a) Demovating workplace

b) Negative attitude of employs

c) Lack of enthusiasm

d) Poor leadership

e) Declining ethics & values

f) Harms professionalism

2) Productivity of workplace

a) Declining attitude

b) Red tapism

c) Bureaucratic lethargy

VisionIAS

c) Options available to me

1) Standing & claiming as my project

2) Just listening to the status quo (what is happening)

3) Speak to the higher authority ~~and~~ post the incident & boost the morale of other workers

I would opt 3rd option because and address the situation —

1) Speaking to chief secretary after meeting as claiming in between meeting is not a trait of civil servant

2) Ensure the superior of mine would be given due credit but the ~~prove~~ efforts of myself would also be given due consideration

3) Persuade Chief Secretary to boost morale, enthusiasm of my junior in upcoming project

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

VisionIAS

"A leader is one who not only take all the credits but also give to others". As my superior is retiring in 6 months, he would be due credited but also it is my responsibility ~~to~~ self respect – to value my efforts by others

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above case deals with nexus between politician & bureaucrate, Article 48A states responsibility of nation to conserve & protect environment.

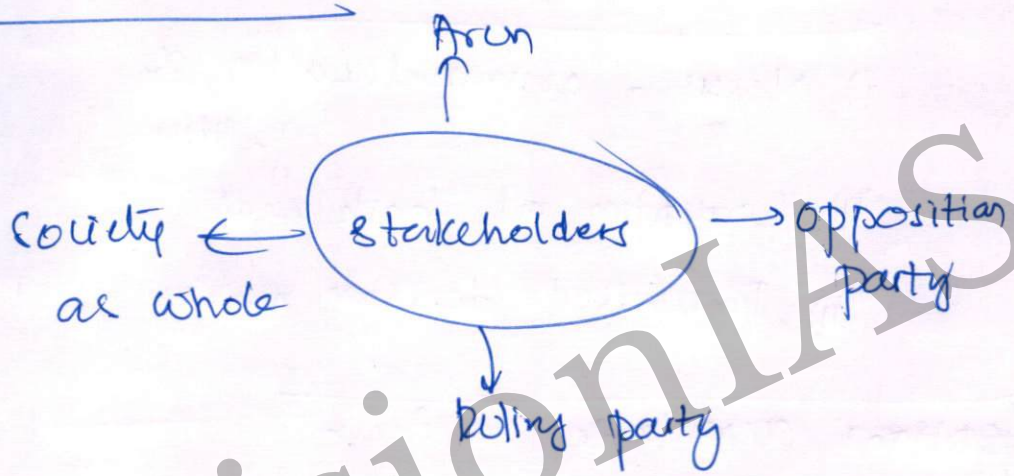

a) Ethical Issues arising out of nexus

i) Corporate & political Interest

i) Crony Capitalism get arised

ii) Interest of Company over public

iii) Illegal funding to party to serve interest of Company (Electoral bond case)

VisionIAS

2) Corporate & Bureaucrat

i) Corruption to get license

ii) Violation of foundational values

iii) Violates code of conduct

iv) Office of profit

3) Bureaucrat & politician

i) Nexus - criminalization of politics

ii) Corruption at both ends

iii) Pressurised decision making

b) Options available to Arun

1) Exposing Chairman available

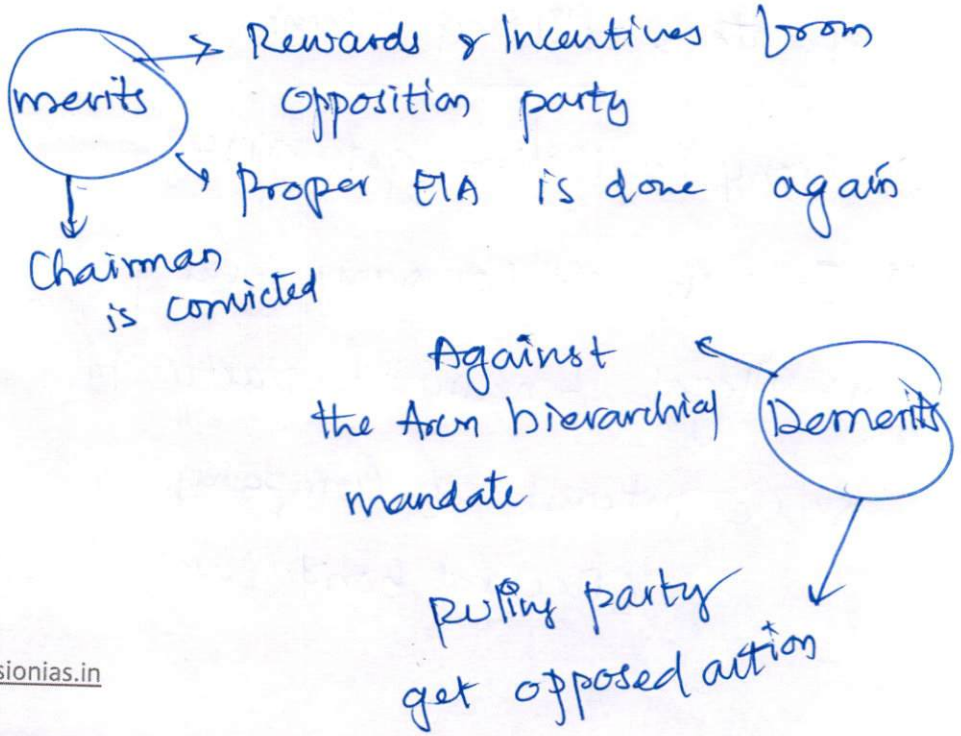

VisionIAS

2) Don't expose Chairman

merits → Arun in support of System & Chairman
↘ mandate of ruling party followed

Demerits → NO EIA / flawed one
↓
No rewards / Incentives

2) Take time & submit the report directly to higher authority

merits → following Conscience
→ Due process of law
→ Constitutional Morality

Demerits → Delay in project

I would choose 3rd option as it

1) Ensure a proper procedure as per law is followed

2) Entail ~~boy~~ Arun senior to have responsibility in dealing with it

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3) Promote a larger interest needs a cautious action

4) In line with Biocentric principle

5) Healthy workculture while rejecting the rewards of opposition

6) Ensure decision based on EI.

As it takes courage to ~~start~~ take any small action. Thus Arun needs that courage to reject all those unnecessary gratitudes being a ideal Civil Servant

VisionIAS

उम्मीदवारों क
इस हाशिए
नहीं लिखना
चाहिए
Candidat
must not
write on
this marg

SPACE FOR ROUGH WORK

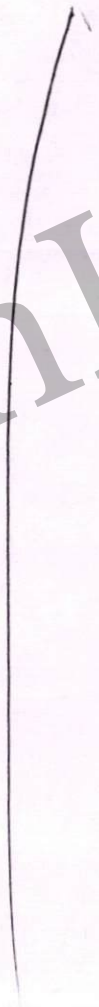

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS